



गौ आधारित

कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर, नर्मदापुरम

भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविंदनगर



जीवामृत

जीवामृत सूक्ष्म जीवाणुओं का महासागर है। जो पेड़ पौधों के लिए कच्चे पोषक तत्वों को पकाकर उनके लिए भोजन तैयार करते हैं।

बनाने की विधि: गोमूत्र 5 से 10. ली. (देशी गोवंश का) गोबर 10 किलो देशी गोवंश का गुड़ 1 से 2 किलो दलहन का आटा 1 से 2 किलो, 1 मुट्टी जीवाणु युक्त मिट्टी (भेद या पेड़ के नीचे की) 100 से 150 लीटर पानी प्रयोग करते हैं

प्रयोग विधि: इन सबको ड्रम में मिलाकर जूट की बोरी से ढककर छाया में रखे सुबह शाम ठण्डे से घड़ी की सुई की दिशा में 2 मिनट घोले, 72 घंटे बाद छानकर सात दिन के अन्दर ही प्रयोग करें एक एकड़ खेत में 200 ली. जीवामृत पानी के साथ टपक सिंचाई विधि से प्रयोग करें। छिड़काव बुवाई के एक माह बाद एक एकड़ खेत में 150 ली. पानी में 10 ली. जीवामृत मिलाकर प्रयोग करें तीसरा व चौथा छिड़काव मिलाकर प्रयोग करें। आखिरी छिड़काव दुग्ध अवस्था में प्रति एकड़ में 200 ली. पानी में 5-10 ली. खट्टी छाछ (मट्टा) मिलाकर छिड़काव करें।



जनवरी 2024

रविवार	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18 F/ FW-SFM	19	20
21	22	23	24 National Girl Child day - WOE	25	26 Republican day	27
28	29	30	31			

फरवरी 2024

रविवार	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10 Pulse day-AG
11	12	13 F/ FW-PLP	14	15 OFF-HOV	16 F/W-AG	17
18	19	20 F/ FW-CP	21	22 OFF-PLP	23	24 Baidas Jayanti
25	26	27 F/ FW-HOV	28 RY-WOE	29 RY-WOE		

मार्च 2024

रविवार	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर, नर्मदापुरम

भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविंदनगर

पलिया पपरिया, बनखेड़ी, जिला - नर्मदापुरम (म.प्र.) मो. - 9074929751



गौ आधारित

कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर, नर्मदापुरम



भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविंदनगर



गोविन्द प्रोम
प्रोम का दम असरदार

आपकी मुस्कान जय किसान



धन जीवामृत

धन जीवामृत जीवाणु युक्त सूखा खाद है जिसे बुवाई के समय या पानी के तीन दिन बाद दे सकते हैं।

आवश्यक सामग्री – ताजा गोबर 100 किलो या गोबर की खाद 200 किलो, गुड़ 1 किलो, दलहन का आटा 1 किलो, एक मुटठी जीवाणु युक्त मिट्टी को लगभग 5 ली. गोमूत्र में मिलाये अब इसे गोबर पर छिड़कते हुए अच्छी तरह मिलाये जिससे यह हलवा या पेस्ट जैसा बन लाये इसके बाद छाया में फैलाये एवं 72 घण्टे बाद जूट की बोरी में भरकर रख लें।

प्रयोग विधि – एक एकड़ में 3 क्विंटल तैयार धन जीवामृत देना चाहिए।
नोट – इसका प्रयोग छ माह तक कर सकते हैं।



अप्रैल 2024

मई 2024

जून 2024

बुध	शुक्र	शनि
1 F/FW-AG	2 OFT-WOE	3
4	5	6 F/FW-SFM
7 F/FW-CP	8 Gudi-padwa	9
10	11 Id-ul-fitr	12 F/FW-HOV
13	14	15
16	17 Ram navami	18
19	20 F/FW-HOV	21
22 World Earth Day - SFM	23	24
25	26 International Seeds Day - CP	27
28	29	30

बुध	शुक्र	शनि
1 FLD-PLP	2 F/FW-AG	3 F/FW-SFM
4	5	6
7	8 RV-CP	9
10	11 Parshuram Jayanti	12
13	14	15
16	17 F/FW-EXT	18
19	20	21
22	23 International Day for Biological Diversity - AG	24
25	26	27
28	29	30
31		

बुध	शुक्र	शनि
1	2	3
4	5	6
7	8	9
10	11	12
13	14	15
16	17 Iduljua	18
19	20	21
22	23	24
25	26	27
28	29	30
31		

कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर, नर्मदापुरम
भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविंदनगर
पलिया पपरिया, बनखेड़ी, जिला - नर्मदापुरम (म.प्र.) मो. - 9074929751



गौ आधारित

कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर, नर्मदापुरम



भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक व्यास गोविंदनगर



नीमास्त्र

5 किलो नीम के पत्तों को पानी में कुचल दें
5 ग्राम गोमूत्र और 2 किलो गाय का गोबर डालें
थोड़े-थोड़े समय पर हिलाने के साथ, 24घंटे के लिए किण्वन
छानकर निचोड़े और 100लीटर तक पतला करें
एक एकड़ में पत्तों पर छिड़काव के लिए प्रयोग करें
चूसने वाले कीटों और घुन कीड़ों के लिए उपयोगी



बह्मास्त्र

10 लीटर गोमूत्र में 3 किलोग्राम नीम की पत्तियों को कुचल दें।
2 किलो कस्टर्ड से बके पत्ते, 2 किलो पपीते के पत्ते, 2 किलो अनार के पत्ते और 2 किलो अमरुद के पत्तों को
पानी में कुचल दें। दोनों को मिलाएं और आधा होने तक एक ही अंतराल पर 5 बार उबालें।
24 घंटे के लिए रखें, फिर अर्क को निचोड़ें।
इसे 6 महीने तक बोतलों में संग्रहित किया जा सकता है। एक एकड़ के लिए इस अर्क के 2-2.5लीटर को 100 लीटर
तक पतला करें।

लाम – चूसने वाले कीटों, फलधक्लीबोरर (वेधक) के लिए उपयोगी

जुलाई 2024

अगस्त 2024

सितम्बर 2024

रविवार	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	1 OFT-SFM	2 E/FW-HOV	3 F/FW-SFM	4 FLD-HOV	5 OFT-AG	6 IN-PLP
7 OFT-PLP	8 E/FW-CP	9 OFT-CP	10 E/FW-SFM	11 OFT-HOV	12	13
14 OFT-CP	15 E/FW-PLP	16 Moharram	17 E/FW-WOE	18 OFT-EXT	19	20
21 OFT-SFM	22 E/FW-WOE	23 IN-AG	24 WOE	25 OFT- WOE	26	27 IN-WOE
28 FLD-AG	29 E/FW-CP	30 E/FW-AG	31			

रविवार	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
				1 E/FW-PLP	2 E/FW-AG	3 E/FW- WOE
4	5 E/FW-PLP	6 E/FW- WOE	7	8 E/FW-EXT	9	10
11	12 E/FW-CP	13	14	15 Independent day	16	17
18	19 Raksha vand- han	20	21	22	23	24
25	26 Janmashtami	27	28	29	30	31

रविवार	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1 E/FW- HOV	2	3 OFT-WOE	4 E/FW- PLP	5	6 E/FW- WOE	7
8	9	10 E/FW-WOE	11	12	13	14
15	16 Mihad Un Navi	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30 E/FW-AG					

कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर, नर्मदापुरम
भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक व्यास गोविंदनगर
पलिया पपरिया, बनखेड़ी, जिला – नर्मदापुरम (म.प्र.) मो. – 9074929751



गौ आधारित

कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर, नर्मदापुरम

भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविंदनगर



रासायनिक खेती और प्राकृतिक खेती के बीच अंतर

गोविन्द तरल जैव उर्वरक

गोविन्द तरल जैव उर्वरक अपनाए।
अपने खेतों में लाभदायक सूक्ष्म जीव को
बढ़ाए और अपनी मृदा को स्वस्थ बनाये।



रासायनिक खेती	प्राकृतिक खेती
रासायनिक रूप से प्रबंधित मिट्टी में, पौधों के पोषक तत्वों की पूर्ति केवल अकार्बनिक स्रोत के माध्यम से की जाती है, बिना किसी कार्बनिक स्रोत के भोजन प्राप्त करने के लिए। यह अंततः मृदा-पारिस्थितिकी तंत्र को विकास माध्यम से वंचित कर देता है।	प्राकृतिक खेती जैविक प्रबंधन में, खाद्य वेब संबंधों और तत्व चक्रण पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। जिसका उद्देश्य कृषि पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता, संवहनीयता और होमोस्टैसिस (संतुलित संतुलन) को अधिकतम करना होता है।
अधिकांश पोषक तत्व जड़ क्षेत्र से बाहर निकल जाते हैं और फसल बेहतर जड़ लंगर के लिए आवश्यक पोषक तत्व को खो सकती है। इसी तरह रासायनिक रूप से प्रबंधित मिट्टी फसलों को अधिक संरचना समर्थन प्रदान नहीं करती है। उपरोक्त के संयोजन से फसल पकती है।	भौतिक (संरचना), रासायनिक (पोषक तत्व परिवर्तन और खनिजकरण) और जैविक गतिविधि (अपघटन) फसल की स्थिति और विकास के पक्ष में हैं। मिट्टी की जीवतता फसल वृद्धि के लिए एक अच्छा विकास माध्यम और समर्थन प्रदान करती है।
रासायनिक रूप से प्रबंधित मिट्टी मिट्टी में अवशेषों को छोड़ती है और जल पर्यावरण प्रदूषण का कारण बनता है। कभी-कभी यह मानव पर्यावरण के लिए विषाक्त प्रभाव का कारण बनता है।	सभी प्रथाएं आपस में जुड़ी हुई हैं और अंतिम उत्पाद अपघट्य होगा। इसलिए पर्यावरण प्रदूषण का कोई कारण नहीं है।
अकार्बनिक इनपुट सामग्री महंगी होती है और उत्पादन और संचालन के लिए बहुत अधिक तकनीकी ज्ञान और निवेश की आवश्यकता होती है।	कार्बनिक इनपुट सामग्री कम खर्चीला स्रोत हैं, जो आसानी से उपलब्ध हैं और लागू करने में बहुत आसान हैं।

जुलै 2023

रविवार	शनि	शुक्र	गुरु	बुध	मंगल	सोम
					1 OFT-CP	
					2 OFT-CP	
					3	
					4 FLD-CP	
6	7 F/FW-SFM	8 F/FW-PLP	9	10	11 F/FW-HOV	12
13	14 OFT-PLP	15 International Day of Rural Women - WOE	16 World Food Day - WOE	17 Balmiki Jayanti	18 F/FW-HOV	19 RV-WOE
20	21 OFT-HOV	22	23	24	25	26 F/FW-AG
27	28 FLD-AG	29 OFT-WOE	30	31 Diwali		

नवंबर 2023

रविवार	शनि	शुक्र	गुरु	बुध	मंगल	सोम
						1 OFT-SFM
						2 F/FW-PLP
3	4 OFT-AG	5 FLD-CP	6 FLD-HOV	7 F/FW-HOV	8 FLD-PLP	9
10	11 OFT-HOV	12 F/FW-WOE	13	14	15 Gurmanak Jayanti	16
17	18 IN-SFM	19	20 F/FW-CP	21	22	23 F/FW-SFM
24	25 FLD-SFM	26 FLD-CP	27	28	29 OFT-SFM	30

दिसंबर 2023

रविवार	शनि	शुक्र	गुरु	बुध	मंगल	सोम
						1
						2
						3
						4
						5 Soil day - SFM
						6 OFT-AG
						7 F/FW-WOE
8	9 F/FW-CP	10	11 F/FW-PLP	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24 IN-HOV	25	26	27	28
29	30	31 F/FW-AG				

कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर, नर्मदापुरम
भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविंदनगर
पलिया पपरिया, बनखेड़ी, जिला - नर्मदापुरम (म.प्र.) मो. - 9074929751